Sl. No. :

BHN-35-V

Total No. of Pages : 2

Third Year B.A. Degree Examination, Oct./Nov. - 2025

(SLM Scheme)

हिन्दी (Hindi) (Optional) (Paper - V) (Group - II)

Texts : मध्यकालीन हिन्दी काव्य (सुन्दरकाण्ड), रस, छंद तथा अलंकार

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Note : ***All sections are compulsory.***

SECTION - A

I. किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **[4 × 5 = 20]**

1. सिंधु तीर एक भुधर– सुंदर । कौतुक कूदि चढेउ ता ऊपर ।।
   बार–बार रघुबीरा सँभारी । तरकेउ पवनतनय बल भारी ।।
   जेंहि गिरि चरन देई हनुमंता । चलेऊ सो गा पाताल तुरंता ।।
   जिनि अमोघ रघुपति कर बाना । येही भाँति चलेउ हनुमाना ।।
2. मातु मोहि दीजै कछु चीन्हा । जैसे रघुनायक मोहि दीन्हा ।।
   चुड़ामनि उतारि नतब दयऊ । हरष समेत पवनसुत लयऊ ।।
   कहेउ तात अस मोर प्रनामा । सब प्रकार प्रभू पूरन कामा ।।
   दीन दयालु बिरिदू संभारी । हरउ नाथ मम संकट भारी ।।
3. निर्मल मन जन सो मोहि पावा । मोहि कपट छल छिद्र न भावा ।।
   भेद लेन पठवा दससीसा । तबहूँ न कछु भय हानि कपीसा ।।
   जग महूँ सखा निसाचर जेते । लछिमनु हनड निमिष मुहँ तेते ।।
   जैं सभीता आवा सरनाई । रखिहौं ताहि प्रान की नाई ।।
4. सीता है मम कृत अपमाना । कतिहऊँ तव सिर कठिन कृपाण ।।
   नहिं त सपदि भानु मम बानी । सुमुखि हानि न त जीवन हानी ।।
   स्याम सरोज दास सम सुंदर । प्रभु भुज करि कर सम दसकंधर ।।
   सी भुज कंठ कि तव असि थोरा । सुनु सठ अस प्रवान पनमोरा ।।

5. सखा कहीं तुम्ह नीकि उपाई । करिअ दैव जौं होई सहाई ।।
मंत्र न यह लछिमन मन भावा । राम वचन सुनि अति दुख पावा ।।
नाथ दैव कर कवन भरोसा । सोषिअ सिंधु करिआ मन रोसा ।।
कादर मन कहूँ एक अधारा । दैव दैव आलसी पुकारा ।।

6. ब्रह्मबान कपि कहूँ तेहि मारा । परितहूँ बार कतुक संघारा ।।
तेहि देखा कपि मुरुछित भयेउ । नागपास बाँधेसि लै गयेऊ ।।
जासु नाम जपि सुनहू भवानी । भवबंधन काटहिं नर ग्यानी ।।
तासु दूत की बंध तर आवा । प्रभु कारज लगि कपिहि बँधावा ।।

SECTION - B

II. किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[3 × 10 = 30]**

7. रस के अवयवों पर चर्चा कीजिए।

8. 'दोहा' और 'सोरठा' छंद के अंतर को सोदाहरण समझाइए।

9. रौद्र रस और भयानक रस का अंतर स्पष्ट कीजिए।

10. हारिगीतिका छंद के लक्षणों को सोदाहरण लिखिए।

11. रुपक अलंकार लक्षण बताते हुए उसके भेदों का परिचय दीजिए।

SECTION - C

III. किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[2 × 15 = 30]**

12. 'सुंदरकाण्ड' की कथावस्तु लिखकर 'मानस' में उसका स्थान निर्धारित कीजिए।

13. ''तुलसीदास ने सामाजिक तथा साहित्यिक क्षेत्र में समन्वय स्थापित किया।'' इस कथन का समर्थन कीजिए।

14. वक्रोक्ति और श्लेष अलंकार के लक्षणों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

15. अलंकार के भेदों की चर्चा कीजिए।

⌘⌘⌘